सर्वप्रथम सभी को मेरी नमस्कार। आज क्रिसमस का दिन है। सभी को आनंद दायक क्रिसमस और समृद्धिदायक नव वर्ष की शुभ कामनायें।

आज इस दुनिया में तुम और में जीवित है, इसके नीचे हमारे सृष्टि कर्ता ईश्वर का अत्यंत प्यार है, साथ ही साथ हम को इस दुनिया में जन्म देनेवाले माता पिता का ही हाथ है, वे ही सर्वे सर्वा है, इसमें संदेह नहीं है। भ्रूण हत्या करने को सहमति देनेवाले माता - पिता का कहना है कि " हम को इस बच्चे की आवश्यकता नहीं है।" एक पल केलिए कल्पना कीजिए कि मगर हमारे माँ-बाप ने भी इसी प्रकार साचा होता है तो हमारे नियति कैसे होती? और हम इस सृष्टि में कैसे आते?

हमारे दैनिक जीवन में हमें ऐसी कई घटनाऐं समाचार पत्रों में देखने को मिलती है कि स्वाभाविक विपत्ति तथा सहज कमी या गलती द्वारा होनेवाली दुर्घटना से बहुत सारे लोग मर जाते है। इन सब अवसरों पर हम प्रति - मर्गों, पार्कों, सार्वजनिक स्थलों में एक पल केलिए निशब्द होकर, मोमबत्ति जलाकर, फूल लगाकर मरी हुई आत्मा केलिए, अघात खेद, संवेदना या प्रार्थना अर्पित करते है। ये सब अनुकम्पा और महत्व प्रकट करने का अच्छा माध्यम है। मगर आपके सारे जीवन में भ्रूण हत्या द्वारा मां का गर्भपात कर या माँ से उपेक्षित करनेवाले बच्चों को क्या आपने कभी आदर दिया और या उसके बारे में सोचा भी गया? कम से कम गलत का ये कर्म करते समय चुप रहते या एक बार भी संवेदना प्रकट की होती तो कितना अच्छा होता। पता चलता है कि धर्म मनस्क या ईश्वर से भयभीत जैसे लोग भारत में रहते है और यहाँ एक साल में ११ दशलक्ष भ्रूण हत्या होती है। इसके अतिरिक्त हर साल लगभग २० हजार युव माताएं भ्रूण हत्या द्वारा आकस्मिक मृत्यू को अभिमुख होते है। सांख्यकी के अनुसार हमें पता चलता है तो फिर भी रहस्यातमक रूप से हर दिन कितनी भ्रूण हत्या इस दुनिया में होती है।

एक अलग सांख्यकी के अनुसार दुनिया में लगभग २१० दशलक्ष महिलाएँ हर साल में गर्भधारण करती है। इसमें ७५ दशलक्ष गर्भधारण उपेक्षित लगता है। ४० से ५० तक दशलक्ष महिलाएँ भ्रूण हत्या केलिए अपनी तैयारी प्रकट करती है। एक व्यक्ति मरा या जीवित है इसका सबसे बडा निशान या प्रमुख घटक हृदय स्पंदन है। यह हृदय स्पंदन अर्थात् प्राण का निशान माँ के गर्भ में उसी समय से होने लगता जब वह माँ के गर्भ में प्रवेश करता है। जब ऐसा

माना जाता है तो उस भ्रूण की हत्या करना कहाँ तक न्यायात्मक है, जो देख, बोल, सुन या अपनी रक्षा नहीं कर सकता। ऐसे असहाय भ्रूण की हत्या ठीक है क्या?

इस website www.stop abortion save lives.com का सबसे मुख्य लक्ष्य यह है या मेरा विश्वास है कि भ्रूण हत्या को अंत न कर सकने पर भी बराबर हर दिन में होनेवाले इसकी संख्या को कम करना है।

भ्रूण हत्या बंद करने के इस यज्ञ में भाग लेने या सहमती देनेवालों का में हृदय से स्वागत करती हूँ। इस सामाजिक अत्याचार के विरुद्ध युद्ध करने केलिए हम एकसाथ प्रयत्न कर तो गर्भस्थ शिशु को इस दुनिया में लाकर उसका जीवन प्रकाश बना सकते है।

फिर एक बार सभी को मेरी धन्यवाद और आशा करती हूँ कि आप सभी को मेरे विचार पसंद आए होगे और मुझे प्रोत्साहित भी करेगा।